



Amardeep



Shivangi

Model: Love-Horoscope

Order No: 120891201

Model: Love-Horoscope

Order No: 120891201

Date: 10/01/2026

पुल्लिंग : \_\_\_\_\_ लिंग \_\_\_\_\_ : स्त्रीलिंग  
28/11/1996 : \_\_\_\_\_ जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : 20/07/2004  
गुरुवार : \_\_\_\_\_ दिन \_\_\_\_\_ : मंगलवार  
घंटे 07:15:00 : \_\_\_\_\_ जन्म समय \_\_\_\_\_ : 13:50:00 घंटे  
घटी 03:11:51 : \_\_\_\_\_ जन्म समय(घटी) \_\_\_\_\_ : 21:57:09 घटी  
India : \_\_\_\_\_ देश \_\_\_\_\_ : India  
Kolkata : \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ : Sitamarhi  
22:34:00 उत्तर : \_\_\_\_\_ अक्षांश \_\_\_\_\_ : 26:36:00 उत्तर  
88:21:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ रेखांश \_\_\_\_\_ : 85:30:00 पूर्व  
82:30:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ मध्य रेखांश \_\_\_\_\_ : 82:30:00 पूर्व  
घंटे 00:23:24 : \_\_\_\_\_ स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:12:00 घंटे  
घंटे 00:00:00 : \_\_\_\_\_ ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:00:00 घंटे  
05:58:15 : \_\_\_\_\_ सूर्योदय \_\_\_\_\_ : 05:06:54  
16:51:02 : \_\_\_\_\_ सूर्यास्त \_\_\_\_\_ : 18:41:26  
23:48:50 : \_\_\_\_\_ चित्रपक्षीय अयनांश \_\_\_\_\_ : 23:55:05  
वृश्चिक : \_\_\_\_\_ लग्न \_\_\_\_\_ : तुला  
मंगल : \_\_\_\_\_ लग्न लग्नाधिपति \_\_\_\_\_ : शुक्र  
मिथुन : \_\_\_\_\_ राशि \_\_\_\_\_ : सिंह  
बुध : \_\_\_\_\_ राशि-स्वामी \_\_\_\_\_ : सूर्य  
आर्द्रा : \_\_\_\_\_ नक्षत्र \_\_\_\_\_ : मघा  
राहु : \_\_\_\_\_ नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_ : केतु  
3 : \_\_\_\_\_ चरण \_\_\_\_\_ : 2  
शुभ : \_\_\_\_\_ योग \_\_\_\_\_ : व्यतिपात  
विष्टि : \_\_\_\_\_ करण \_\_\_\_\_ : गर  
ङ-- : \_\_\_\_\_ जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_ : मी-मीनाक्षी  
धनु : \_\_\_\_\_ सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_ : कर्क  
शूद्र : \_\_\_\_\_ वर्ण \_\_\_\_\_ : क्षत्रिय  
मानव : \_\_\_\_\_ वश्य \_\_\_\_\_ : वनचर  
श्वान : \_\_\_\_\_ योनि \_\_\_\_\_ : मूषक  
मनुष्य : \_\_\_\_\_ गण \_\_\_\_\_ : राक्षस  
आद्य : \_\_\_\_\_ नाडी \_\_\_\_\_ : अन्त्य  
मार्जार : \_\_\_\_\_ वर्ग \_\_\_\_\_ : मूषक

**Shree Siddhivinayak Astro**

Gola Bandh Road Muzaffarpur

9693608763

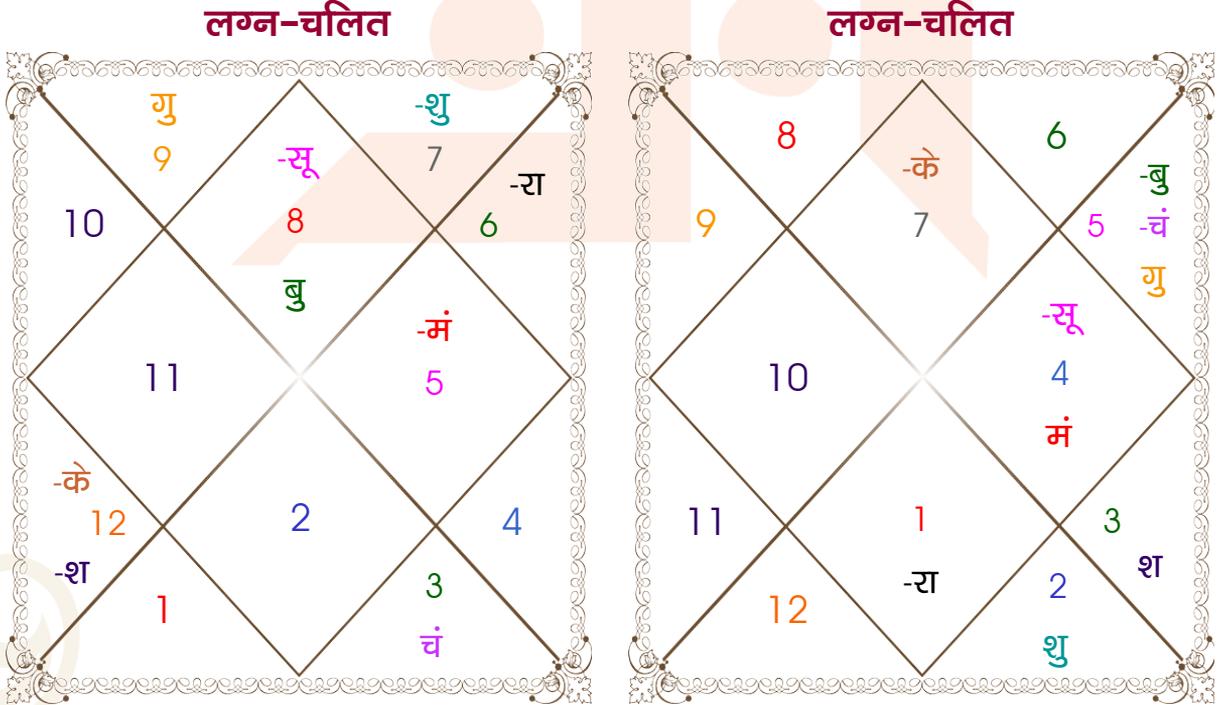
shreesiddhivinayakastro@gmail.com

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 5वर्ष 3मा 17दि शनि	28:27:01	वृश्चि	लग्न	तुला	27:57:26	केतु 3वर्ष 7मा 21दि शुक्र
17/03/2018	12:17:33	वृश्चि	सूर्य	कर्क	04:01:58	12/03/2008
17/03/2037	16:04:31	मिथु	चंद्र	सिंह	06:23:38	12/03/2028
शनि 20/03/2021	21:14:19	सिंह	मंगल	कर्क	22:45:49	शुक्र 12/07/2011
बुध 28/11/2023	26:36:30	वृश्चि	बुध	सिंह	00:07:45	सूर्य 12/07/2012
केतु 06/01/2025	23:55:20	धनु	गुरु	सिंह	22:31:45	चन्द्र 12/03/2014
शुक्र 07/03/2028	12:22:20	तुला	शुक्र	वृष	22:31:05	मंगल 12/05/2015
सूर्य 17/02/2029	06:49:18	मीन व	शनि	मिथु	24:25:20	राहु 12/05/2018
चन्द्र 19/09/2030	12:11:58	कन्या व	राहु व	मेष	13:27:20	गुरु 10/01/2021
मंगल 29/10/2031	12:11:58	मीन व	केतु व	तुला	13:27:20	शनि 12/03/2024
राहु 04/09/2034	07:49:22	मक	हर्ष व	कुंभ	12:16:50	बुध 11/01/2027
गुरु 17/03/2037	01:54:24	मक	नेप व	मक	20:31:28	केतु 12/03/2028
	09:18:09	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	26:03:07	

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

23:48:50 चित्रपक्षीय अयनांश 23:55:05



**Shree Siddhivinayak Astro**

Gola Bandh Road Muzaffarpur

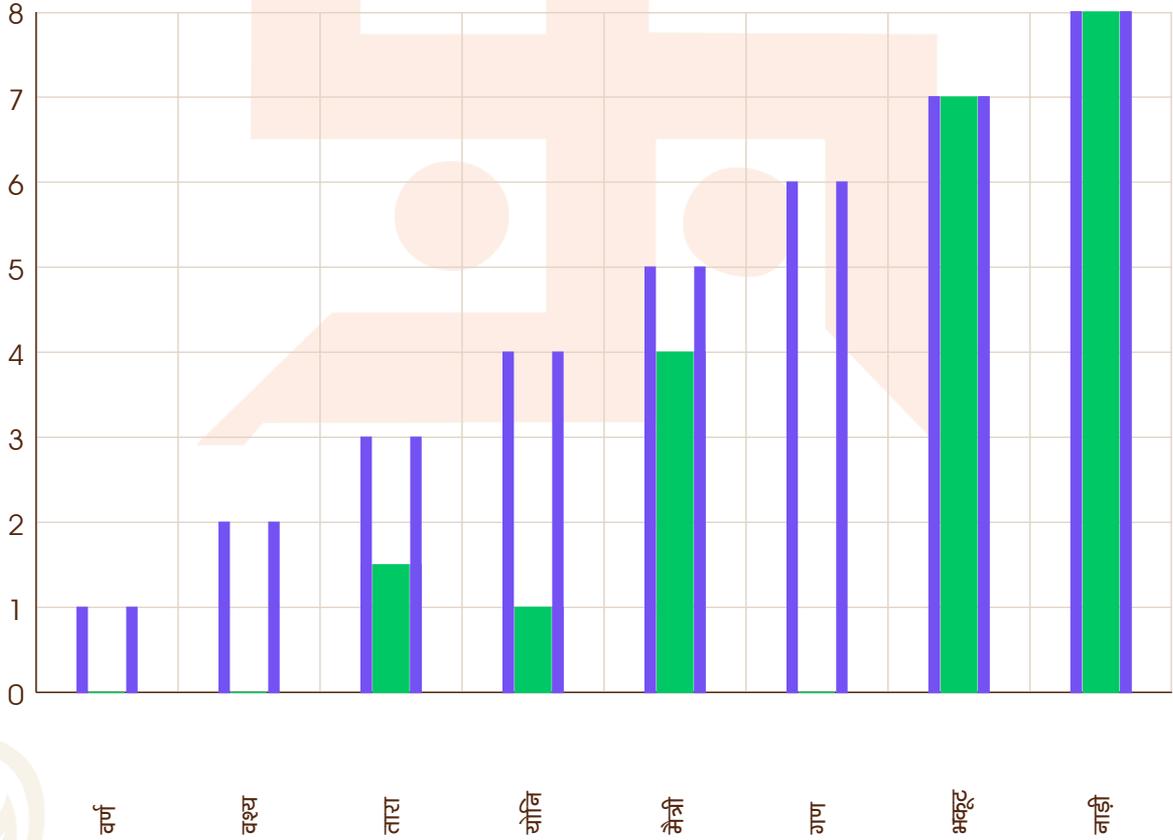
9693608763

shreesiddhivinayakastro@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>21.50</b>		

कुल : 21.5 / 36



**Shree Siddhivinayak Astro**

Gola Bandh Road Muzaffarpur

9693608763

shreesiddhivinayakastro@gmail.com

## अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Amardeep का वर्ग मार्जार है तथा रौपअंदहप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Amardeep और रौपअंदहप का मिलान शुभ है।

### मंगलीक दोष मिलान

Amardeep मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम भाव में स्थित है।

रौपअंदहप मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम भाव में स्थित है।

Amardeep तथा रौपअंदहप में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

Amardeep का वर्ण शूद्र है तथा ऋषिपंडहप का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें ऋषिपंडहप का वर्ण Amardeep के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण ऋषिपंडहप अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। ऋषिपंडहप का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए Amardeep को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

### वश्य

Amardeep का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं ऋषिपंडहप का वश्य वनचर अर्थात् सिंह (शेर) है अतः यह मिलान बहुत अशुभ मिलान है। शेर हमेशा मनुष्य के लिए संकट उपस्थित करता है। ये मनुष्य को हानि पहुंचाता है तथा घायल करते हैं व कभी-कभी मारकर खा भी जाते हैं। अतः यह मिलान उचित नहीं है क्योंकि Amardeep हमेशा ऋषिपंडहप से भय महसूस करेगा। ऋषिपंडहप हमेशा Amardeep पर हावी रहेगी, पति के ऊपर वर्चस्व स्थापित करेगी तथा अपने पति को अपनी हर आज्ञा के लिए बाध्य करेगी जो स्वीकार करने योग्य नहीं है क्योंकि इससे विकास एवं समृद्धि प्रभावित होगी। ऋषिपंडहप हमेशा कोई न कोई समस्या उत्पन्न करती रहेगी जिससे घर एवं परिवार की शांति भंग होगी।

### तारा

Amardeep की तारा साधक तथा ऋषिपंडहप की तारा प्रत्यरि है। ऋषिपंडहप की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Amardeep एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। ऋषिपंडहप का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य में अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही ऋषिपंडहप के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Amardeep अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

### योनि

Amardeep की योनि श्वान है तथा ऋषिपंडहप की योनि मूषक है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण

पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Amardeep का राशि स्वामी रौपअंदहप के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि रौपअंदहप का राशि स्वामी Amardeep के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

### गण

Amardeep का गण मनुष्य तथा रौपअंदहप का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः रौपअंदहप का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Amardeep एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

### भकूट

Amardeep से रौपअंदहप की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा रौपअंदहप से Amardeep की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Amardeep अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर रौपअंदहप सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

## नाड़ी

Amardeep की नाड़ी आद्य है तथा षोडशोपसंहरण की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। Amardeep की आद्य नाड़ी तथा षोडशोपसंहरण की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।



# मेलापक फलित

## स्वभाव

Amardeep की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है तथा रौपअंदहप की अग्नि तत्व युक्त सिंह राशि है। नैसर्गिक रूप से वायु एवं अग्नि तत्व में समता तथा मित्रता रहती है। अतः Amardeep और रौपअंदहप में स्वभावगत समानता रहेगी तथा परस्पर संबंधों में भी मधुरता रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

Amardeep की राशि का स्वामी बुध तथा रौपअंदहप की राशि का स्वामी सुर्य परस्पर सम तथा मित्र है अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति अच्छी रहेगी। इसके प्रभाव से इनकी मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर समानता रहेगी फलतः में एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा एवं कमियों की उपेक्षा का भाव रखेंगे। इससे इनके परस्पर संबंधों में मधुरता बढ़ेगी तथा सुख एवं शांति पूर्वक अपना वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे।

Amardeep तथा रौपअंदहप की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Amardeep और रौपअंदहप अर्थिक रूप से सुदृढ़ एवं सम्पन्न रहेंगे तथा विभिन्न प्रकार से धनार्जन की प्रवृत्ति इनमें विद्यमान रहेगी। उनके जीवन के मूल्यों में भी समानता का भाव रहेगा जिससे मानसिक स्थिति शांत एवं सन्तुष्ट रहेगी फलस्वरूप वैवाहिक सुख एवं अन्यत्र आनंद प्राप्त करने में Amardeep और रौपअंदहप को सफलता प्राप्त होगी।

Amardeep का वश्य मानव तथा रौपअंदहप का वश्य जलचर है। नैसर्गिक रूप से मानव एवं वश्य में शत्रुता तथा विषमता का भाव विद्यमान रहता है। अतः Amardeep और रौपअंदहप की अभिरुचियों में अंतर रहेगा। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर में भी विषमता रहेगी एवं दाम्पत्य सुख में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ से रहेंगे।

Amardeep का वर्ण शूद्र तथा रौपअंदहप का वर्ण क्षत्रिय है। Amardeep की प्रवृत्ति किसी भी प्रकार के कार्यों को गम्भीरता तथा ईमानदारी से करने की होगी। जबकि रौपअंदहप केवल पराकमी एवं साहसी कार्यों को करना अधिक पसंद करेंगी।

## धन

Amardeep और रौपअंदहप की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Amardeep और रौपअंदहप की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

रौपअंदहप एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण

संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

### स्वास्थ्य

Amardeep की नाड़ी आद्य तथा रौपअंदहप की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण वे नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। इसके प्रभाव से उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा पराक्रम एवं परिश्रम से अपने सांसारिक महत्व के कार्यों को सम्पन्न करने में समर्थ होंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी इनमें किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा।

### संतान

संतति की दृष्टि से Amardeep और रौपअंदहप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Amardeep और रौपअंदहप को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Amardeep और रौपअंदहप के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

रौपअंदहप का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबन्धी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः रौपअंदहप के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार रौपअंदहप सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Amardeep और रौपअंदहप को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Amardeep और रौपअंदहप का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

### ससुराल-सुश्री

रौपअंदहप के सास से प्रायः अच्छे संबन्ध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत रौपअंदहप के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

रौपअंदहप अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबंध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार रौपअंदहप के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

### ससुराल-श्री

Amardeep के सास से सामान्यतया मधुर संबंध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबंध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में Amardeep के संबंध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबंधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबंधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Amardeep के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा Amardeep भी मधुर संबंधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।

## लग्न फल

### Amardeep

आपका जन्म ज्येष्ठा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में पूर्व दिशा में उदित वृश्चिक लग्न, मीन नवमांश तथा कर्क राशि के द्रेष्काण में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति आपको एक धार्मिक प्राणी के रूप में प्रस्तावित करता है। आप धार्मिक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे। परंतु वास्तविकता यह है कि आप दिलेर एवं बहुत ही समाजिक प्राणी हैं। आपकी अभिलाषा है कि सभी प्रकार के संसारिक सुखों का आनंद प्राप्त करें।

आपको देखने वाले एक धर्म निष्ठ व्यक्ति के रूप में आपको प्रतिष्ठित करते हैं। आप बहुत अधिक लाभांश प्राप्त करते हैं, परंतु आपका कार्य धीरे-धीरे कार्यान्वित होता है। अबतक आपने अन्यो को अपनी बातों से अपना बनाया है। परंतु कुछ दुष्कर घटनाएं उपस्थित होती रहती है। आप अपने साहसिक एवं दृढ़ प्रवृत्ति के कारण सफलता प्राप्त करते आए हैं। तब ही आपके धन संचय करने का लक्ष्य पूरा हो सकेगा।

आप सदैव सावधानी पूर्वक मनोविनोदी प्रवृत्ति से अपना मनोरंजित जीवन जीते आए हैं। परंतु यदा-कदा आपका यह हास्य परिहास, व्यवसायिक मामले में व्यवधान उपस्थित कर सकता है। समय आने पर आप पूर्ण सचेत रहकर उन बाधाओं को स्पष्ट कर लेंगे।

आप निःसंदेह विपरीत योनि के प्राणियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। परंतु आप इस मामले में मनोनुकूल स्त्री को बहुत पसंद करते हैं। मुख्य रूप से आपके लिए यह विचारणीय है कि आपकी प्रेमिका बहुत अच्छी तो नहीं है परंतु बड़ी मेधावी है। आप जिस किसी भी व्यक्ति से संपर्क कर के आनन्द प्राप्त करना चाहते हो वह आपके मनोनुकूल एवं आपकी बुद्धि के अनुरूप हो। इसलिए आपको अपनी प्रेमिका की अनुरूपता हेतु कुछ अतिरिक्त निर्देश की आवश्यकता है, क्योंकि यदि आप जिस किसी का चयन किया है। वह आकर्षक है। इस पर आप हतोत्साहित होंगे। आपको अपनी जीवन संगिनी के चयन हेतु प्रयास करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, मीन, तुला, कन्या अथवा मकर राशि लग्न में हुआ हो।

आपके जीवन के क्षेत्र से संबंधित एक अहम मुद्दा यह है कि आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सौभाग्यशाली हैं। दूसरी बात यह है कि आपके जीवन में अतिशय भ्रमणकारी समस्या हैं। आप अपने जीवन के 13 वें, 27 वें, 31 वें एवं 49 वें वर्ष में रोगादिक प्रभाव से अद्योगामी हो सकते हैं। अतएव सतर्कता पूर्वक जागरूक रहने की आवश्यकता है।

आपको समय-समय पर अच्छी प्रकार स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए। इसलिए आप किसी भी प्रकार के रोग के प्रति सावधानी पूर्वक आचरण कर सकते हैं। आप जैसे गुप्तांग को क्षतिग्रस्त होने वाले आचरण के प्रति सतर्क रहें। अन्यथा इसका गलत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। अतएव आप अर्शरोग एवं गुप्तांग रोग के प्रति अनियमिततापूर्ण आचरण नहीं करें।

समय-समय पर आपकी उत्तेजना अति तीक्ष्ण हो जाती है। कृप्या इस पर शांति पूर्ण आचरण करें। आप अपने मन को शांति दायक प्रवृत्ति के अनुरूप बनाकर किसी भी प्रकार के रोगादिक प्रभाव से वंचित रह सकते हैं। अन्यथा नसों की गड़बड़ी संबंधी रोग का विपरीत प्रभाव जीवन पर पड़ेगा।

आपके लिए स्मरणीय है कि साप्ताहिक दिनों में आपके लिए अनुकूल एवं प्रभावशाली दिन सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आप अंको में अंक 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंकों को अपने लिए अनुकूल समझें। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में सफेद एवं हरा आपके लिए प्रतिकूल है। परंतु रंग, पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग आपके लिए अनुकूल एवं लाभदायक है।

## Shivangi

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान है। आप सौभाग्यशाली है। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगी।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यो के विकास के लिए असहनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखती हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृत्ति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझती हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यो की अपेक्षा आप स्वयं जानती है। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाती हैं। यह प्रवृत्ति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाती बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करती हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेती हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेती हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगी। आप अपनी आय का यथेष्ट अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगी।

आप अपना परिवार जीवन सुखपूर्ण व्यतीत करेंगी। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगी। आप निःसंदेह पूर्वक अपने समझदार पति एवं बच्चों से

बहुत स्नेह रखेंगी। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकती है तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगी। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखें विपरीत योनि को आकर्षित करती है। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृत्ति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगी का चुनाव कर सकती हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगी।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकती हैं यथा डायबिटीज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

## अंक ज्योतिष फल

### Amardeep

आपका जन्म दिनांक 28 है। दो एवं आठ के योग से एक आपका मूलांक होता है। मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा आठ का शनि है। इन तीनों ही ग्रहों का संयुक्त प्रभाव आपके जीवन में आयेगा।

मूलांक एक का स्वामी सूर्य जीवनदाता है एवं ब्रह्माण्ड में स्थिर ग्रह है। अन्य सभी ग्रह तो सूर्य के चक्कर लगाते हैं। अतः सूर्य ग्रह के प्रभाववश आप एक स्थिर प्रकृति के महत्वाकांक्षी, उदीयमान, प्रतिभाशाली व्यक्ति के रूप में पहचाने जायेंगे। आप स्वतंत्र विचार धारा के धनी होंगे। पराधीन कार्य करने में असुविधा महसूस होगी। आप प्रत्येक कार्य को स्वतंत्रता पूर्वक निष्पक्ष संपादन करने के हिमायती रहेंगे। इससे आपको प्रतिद्वन्दियों के विरोध का सामना करना पड़ेगा। आप स्थायी एवं दीर्घ कालीन संबंध बनाने पर विश्वास करेंगे। आपकी कोशिश हमेशा यही रहेगी कि जब भी आप किसी के साथ मित्रता, व्यापारिक, सामाजिक, राजनैतिक अथवा प्रेम, रोमांस, इत्यादि के जो भी संबंध बनाएँ उनमें स्थायित्व रहे।

सूर्य जिस तरह प्रकाशित ग्रह है। उसी भाँति आप भी अपने जीवन में सदा प्रकाशित रहना पसन्द करेंगे। समाज वर्ग विशेष में मुखिया की भूमिका आप बखूबी निभाने की क्षमता रखेंगे। अपनी मेहनत के बल पर आप सभा-सोसायटी, संगठनों इत्यादि में प्रमुख पद को प्राप्त करेंगे।

अंक दो के स्वामी चन्द्र के कारण आपमें कल्पनाशीलता अच्छी रहेगी। आप जो भी सृजन करेंगे उसमें मौलिकता रहेगी। अंक आठ का स्वामी शनि ग्रह के प्रभाव से कभी-कभी आपके अन्दर नैराश्य भाव जाग्रत होगा। आलस्य में वृद्धि होगी और बनते हुये कार्यों में रुकावटें आयेंगी।

### Shivangi

आपका जन्म दिनांक 20 है। दो एवं शून्य का जोड़ दो आपका मूलांक होता है। मूलांक दो का स्वामी चन्द्र तथा शून्य शिव या ब्रह्म है। इनके संयुक्त प्रभाव से आप एक सौम्य, सुन्दर एवं कल्पनाशील महिला होंगी। कल्पना शक्ति आपकी श्रेष्ठ रहेगी। अधिकांश कार्य आप अपनी बुद्धि से करेंगी। शारीरिक कार्यों में आपकी रुचि कम होगी। चन्द्र प्रभाववश आप अपनी योजनाओं में काट-छांट करने की आदी रहेंगी। इससे आपका कार्य देर से पूर्ण होगा। आपकी कुछ योजनाएं अधर में ही लटक जायेंगी। जिनका आपको पछतावा होगा तथा मानसिक यातना भी होगी।

मन आपका चंचल होने से आप गतिशील रहना पसन्द करेंगी। इस स्वभाव से आप दूर-दूर की यात्राएं करेंगी तथा देश विदेश का भ्रमण करेंगी। एकाध यात्रा तो ऐसी होंगी जो आपका भाग्य बदल देगी। आत्मविश्वास की आप में कमी रहेगी। इससे कई कार्य आपके समय

पर पूर्ण नहीं होंगे। कभी-कभी आप निराशा में डूब जायेंगी और शून्य की भाँति आपको जीवन अंधकारमय लगेगा। लेकिन धैर्य एवं साहस से कुछ समय उपरान्त आप पुनः खोई हुई प्रतिष्ठा को प्राप्त कर लेंगी।

सामाजिक स्थिति आपकी अच्छी रहेगी। जनता के मध्य आप लोकप्रिय रहेंगी। इससे आपकी मानसिक स्थिति काफी संतुलित रहेगी। चन्द्र स्वभाव से आपको सर्दी-जुकाम, कफ इत्यादि के रोग यदा-कदा पीड़ित करेंगे। मानसिक ऊर्जा का आप अधिक प्रयोग करेंगी। इस कारण कभी-कभी सिर दर्द, मानसिक तनाव इत्यादि होंगे। वैसे मूलांक के प्रभाव से आप अपने जीवन में एक सफल, लोकप्रिय तथा हैसियत वाली महिला होंगी।

### Amardeep

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाटबाट को पसन्द करने वाले स्पष्ट वक्ता होंगे। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाले यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाले शूरवीर व्यक्ति के रूप में पहचान स्थापित करेंगे। आपका जीवन चक्र एक राजा की भाँति संचालित होगा अर्थात् आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचार धारा पर निर्भीक चलेंगे। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी। एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगे। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को प्राप्त करेंगे। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगे, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।

### Shivangi

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओ के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगी। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगी। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण की शौकीन रहेंगी। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रही हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनती हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।

**Shree Siddhivinayak Astro**

Gola Bandh Road Muzaffarpur

9693608763

shreesiddhivinayakastro@gmail.com